By: Dr Shailesh Kr,
Dept. of economics,
Raja Singh College Siwan



B.A Part I
Paper 1st

1.7.20

## आर्थिक स्थैतिकी (Economic Statics)

Statics शब्द ग्रीक भाषा के Statike शब्द से बना हुआ है जिसका शाब्दिक अर्थ होता है स्थिर करना। भौतिकी में इसका अर्थ स्थिरता की वजह से वह स्थिति जहाँ किसी प्रकार की कोई गति ना हो। अर्थशास्त्र में इसका अर्थ यह है कि एक विशेष स्तर पर गति की वह विशिष्ट स्थिति जिसमें कोई परिवर्तन ना हो। इसे विभिन्न अर्थशास्त्रियों ने अपने अपने तरीके से समझाया है।

क्लार्क के अनुसार - यह वह स्थिति है जहाँ अपनी अनुपस्थिति में पाँच प्रकार के परिवर्तन प्रमुख रहते हैं। (1) जनसंख्या (2) पूँजी की पूर्ति (3) उत्पादन के तरीके (4) व्यापार संगठन के रूप और (5) लोगों की आवश्यकताएँ स्थिर रहती हैं किन्तु अर्थव्यवस्था सम्मान गति से काम करते रहती है।

प्रो० मार्शल के अनुसार — इस सक्रिय परन्तु अपरिवर्तनशील प्रक्रिया के लिए "स्थैतिक अर्थशास्त्र" शब्दावली का व्यवहार होना चाहिए। इस प्रकार स्थैतिक अवस्था वह काल रहित (time less) अर्थव्यवस्था है जहाँ कोई परिवर्तन नहीं होते और जो निश्चय से संतुलन में होती है।

सैम्यूलसन के अनुसार :- "स्थैतिक अर्थशास्त्र पारस्परिक परस्पर निर्भर संबंधों के द्वारा आर्थिक चरों के समकालिक और तत्कालिक या काल रहित निर्धारण में संबंध रखता है। स्थैतिक अवस्था में ना ही अतीत होता है और ना ही भविष्य। इसलिए इसमें अनिश्चितता का तत्व बिल्कुल ही नहीं होता।

प्रो० कुजनेट्स (Kuznets) के अनुसार "यह मान लेने पर कि निरपेक्ष अथवा सापेक्ष तौर से शामिल आर्थिक मात्राओं में समरूपता और स्थिरता होती है, स्थैतिक अर्थशास्त्र संबंधों और प्रक्रियाओं पर विचार करता है।"

एक स्थैतिक अर्थव्यवस्था के कार्यकरण के लिए पूर्ण प्रतियोगिता, पूर्ण ज्ञान, पूर्ण दूरदर्शिता और पूर्ण गतिशीलता के

P.T.O

Scanned by CamScanner

अस्तित्व की भावनाएँ आवश्यक सामग्री जाती हैं।

Scanned by CamScanner